खबर संक्षेप

टाटा मोटर्स की थोक बिक्री 74 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने रविवार को कहा कि अप्रैल, 2022 में उसकी कुल बिक्री 74 फीसदी बढ़कर 72,468 इकाई हो गई,जो अप्रैल, 2021 में 41,729 इकाई थी।
टाटा मोटर्स ने बताया कि कंपनी की घरेलू बिक्री 81 प्रतिशत बढ़कर 71,467 इकाई हो गई जो अप्रैल, 2021 में 39,401 इकाई थी।

अक्षय तृतीया पर बढ़ेगी सोने की बिक्री

मुंबई । कोविड महामारी का प्रकोप कम होने से आर्थिक गतिविधियों में धीरे-धीरे आ रहे सुधारों को देखते हुए आभूषण कारोबारी इस साल अक्षय तृतीया पर सोने के आभूषणों की अच्छी खरीदारी की उम्मीद लगाए हुए हैं। उनका मानना है कि इस बार बिक्री 2019 के स्तर को भी पार कर सकती है। हालांकि कुछ आभूषण कारोबारियों को लगता है कि सोने के दाम में हालिया वृद्धि इसकी राह में एक अवरोध बन सकती है। सोने की खरीदारी के लिए शुभ मानी जाने वाली अक्षय तृतीया देश भर में तीन मई को मनाई जाएगी।

भारत में खाद्य तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद, इंडोनेशिया के प्रतिबंध का असर नहीं

नई दिल्ली। सरकार ने रविवार को कहा कि देश के पास खाद्य तेलों का पर्याप्त भंडार है और वह इनके दामों एवं आपूर्ति संबंधी हालात पर करीबी नजर रखे हुए है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''भारत के पास सभी खाद्य तेलों का पर्याप्त भंडार है। उद्योग के सूत्रों ने बताया कि देश में सभी खाद्य तेलों का वर्तमान भंडार लगभग 21 लाख टन है और करीब 12 लाख टन मई में आएगा।''

साइकिलों की मांग में वित्त वर्ष 2021-22 में आई कमी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कोरोना काल में पैदा हुए आर्थिक संकट का असर अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में महसूस किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 में पिछले साल की तुलना में साइकिल की बिक्री में करीब छह फीसदी की कमी आई है। वित्त वर्ष 2020-21 में देश में कुल 1,21,65,800 साइकिलों की बिक्री हुई, जबकि पिछले वित्त वर्ष में 1,14,37,826 साइकिलें ही बिकी थीं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था का पैमाना माने जाने वाले रोडस्टर साइकिल में भी 4.3 फीसदी की गिरावट आई है। यह ग्रामीणों और श्रमिकों की खराब आर्थिक स्थिति का परिणाम बताया जा रहा है।

- साइकिलों की बिक्री में गिरावट रोजगार और पैसे की कमी के संकेत
- पिछले साल की तुलना में साइकिल की बिक्री में करीब छह %की कमी

ग्रामीण इलाकों में नहीं बिकी ऑल इंडिया साइकिल

मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एआईसीएमए) के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में देश में कुल 1,21,65,800 साइकिलों की बिक्री हुई। इन वर्षों में, रोडस्टर साइकिल की बिक्री हमेशा की तरह अधिक रही है। 2020-21 में सभी कंपनियों ने मिलकर 48 लाख 42 हजार 649 रोडस्टर साइकिल बेची, जबकि 2021-22 में यह संख्या घटकर 46 लाख 33 हजार 541 रह गई। यह पिछले साल की तुलना में 4.3 फीसदी कम है। चूंकि इस सेगमेंट में साइकिल की मांग ग्रामीण इलाकों में सबसे ज्यादा है, इसलिए इन साइकिलों की बिक्री में गिरावट चिंता का विषय है।

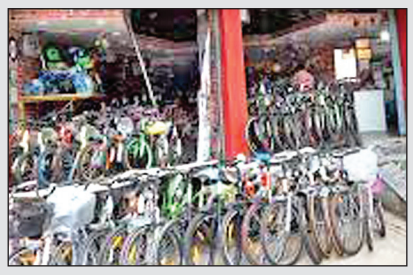

रोडस्टर साइकिल की बिक्री में गिरावट चिंता का विषय
आमतौर पर समाज के ग्रामीण और गरीब तबके के लोग इस सेगमेंट में आते-जाते हैं और सामान आदि ले जाते हैं। ज्यादातर साइकिल खरीदते हैं। इस रेंज की साइकिलों की बिक्री में गिरावट को उनके लिए रोजगार और पैसे की कमी के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। ऐसे में रोडस्टर साइकिल की बिक्री में गिरावट देश के लिए चिंता का विषय है।

लोगों ने बच्चों के लिए साइकिल खरीदने से परहेज किया

फैंसी साइकिल और बच्चों की साइकिल की बिक्री में भी गिरावट आई है। बिगड़ती आर्थिक स्थिति का सबसे बुरा असर बच्चों के साइकिल खंड पर पड़ा है। खराब आर्थिक स्थिति के कारण, लोगों ने बच्चों के लिए साइकिल खरीदने से परहेज किया और इससे बच्चों के साइकिल खंड में 38% से अधिक की रिकॉर्ड गिरावट आई। जबकि पिछले साल इस सेगमेंट में बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई थी।

फार्मा निर्यात 2021-22 में बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली । देश का फार्मा (दवाइयां आदि) निर्यात बीते वित्त वर्ष 2021-22 में 1,83,422 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वित्त वर्ष 2013-14 में फार्मा निर्यात 90,415 करोड़ रुपये था। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि कोविड महामारी से संबंधित दवाओं की मांग घटने और वैश्विक व्यापार में अड़चनें आने के बावजूद 2021-22 में फार्मा निर्यात ने सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। मंत्रालय ने कहा, ''भारतीय कंपनियों ने अपनी मूल्य प्रतिस्पर्धा और बेहतर गुणवत्ता से वैश्विक बाजारों में जगह बनाई है। दुनिया में 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जेनेरिक दवाएं भारत से आ रही हैं।'' फार्मा उत्पादन में मात्रा के हिसाब से भारत दुनिया में तीसरे और मूल्य के हिसाब से 14वें स्थान पर है। मौजूदा घरेलू फार्मा उद्योग का आकार करीब 50 अरब डॉलर है। वैश्विक निर्यात में फार्मास्युटिकल्स और दवाओं का हिस्सा 5.92 प्रतिशत है। भारत के शीर्ष पांच फार्मा निर्यात गंतव्यों में अमेरिका, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, रूस और नाइजीरिया शामिल हैं।

जीएसटी राजस्व 1.68 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर

अर्थव्यवस्था आ रही पटरी पर अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन ने तोड़ा रिकॉर्ड

- 2021 की तुलना में 2022 में जीएसटी संग्रह 20% बढ़ा
- भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के प्रभाव से उबर रही है और तेजी से आगे बढ़ रही

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अप्रैल 2022 में 1.68 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि कर अनुपालन में सुधार से जीएसटी संग्रह का आंकड़ा बेहतर हुआ है।

अप्रैल, 2022 में जीएसटीआर-3बी में कुल 1.06 करोड़ जीएसटी रिटर्न भरे गए। इनमें से 97 लाख रिटर्न मार्च, 2022 के हैं। अप्रैल, 2021 की तुलना में अप्रैल 2022 में जीएसटी संग्रह 20 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल 2021 में जीएसटी संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपए रहा था।

सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में रिकॉर्ड स्तर पर

मंत्रालय ने कहा कि सकल जीएसटी संग्रह अप्रैल में 1.68 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड पर पहुंच गया। यह पिछले उच्च स्तर मार्च 2022 के 1.42 लाख करोड़ रुपए से करीब 25,000 करोड़ रुपये अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल में सकल जीएसटी संग्रह 1,67,540 करोड़ रुपये रहा। इसमें केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का हिस्सा 33,159 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का हिस्सा 41,793 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी का हिस्सा 81,939 करोड़ रुपए रहा। आईजीएसटी में 36,705 करोड़ रुपए वस्तुओं के आयात पर जुटाए गए।

कारोबारी गतिविधियों में आया सुधार

मंत्रालय ने कहा कि इन आंकड़ों से कारोबारी गतिविधियों में सुधार का पता चलता है। अप्रैल, 2022 में कुल पंजीकृत कंपनियों या इकाइयों में से 84.7 प्रतिशत ने जीएसटीआर-3बी जमा किया। एक साल पहले समान महीने में यह आंकड़ा 78.3 प्रतिशत था। इसक अलावा 83.11 प्रतिशत जीएसटी पंजीकृत इकाइयों ने आपूर्ति या बिक्री रिटर्न जीएसटीआर-1 दाखिल किया। एक साल पहले यह संख्या 73.9 प्रतिशत थी। किसी एक दिन में सबसे ऊंचा कर संग्रह 20 अप्रैल को हासिल हुआ। उस दिन 9.58 लाख लेनदेन के जरिये 57,847 करोड़ रुपए के जीएसटी का भुगतान हुआ।

सकारात्मक नतीजे मिले

इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि अनुपालन के स्तर में सुधार हुआ है। कर प्रशासन ने इस बारे में कई उपाय किए हैं जिनके सकारात्मक नतीजे मिल रहे हैं। विभाग ने करदाताओं को अपना रिटर्न समय पर भरने के लिए प्रेरित करने के साथ कर अनुपालन को भी सुगम किया है। वस्तुओं के आयात से राजस्व पिछले साल के समान महीने से 30 प्रतिशत ऊंचा रहा, जबकि घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात) से राजस्व 17 प्रतिशत अधिक रहा।

रिकॉर्ड संग्रह के लिए कई अनुकूल कारक

डेलॉयट इंडिया के भागीदार एमएस मणि ने कहा कि मार्च की तुलना में अप्रैल में जीएसटी संग्रह हमेशा ऊंचा रहता है। लेकिन इस बार अप्रैल में रिकॉर्ड संग्रह के लिए कई अनुकूल कारक हैं। इनमें से एक कारक वेंडरों द्वारा समय पर अनुपालन की स्थिति में ही इनपुट कर क्रेडिट की अनुमति से जुड़े बदलाव से संबंधित है। टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी के भागीदार विवेक जालान ने कहा कि जीएसटी के ऊंचे संग्रह से पता चलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी के प्रभाव से उबर रही है और तेजी से आगे बढ़ रही है। इसके अलावा उत्पादन लागत में भारी मूल्यवृद्धि तथा जीएसटीआर-2बी के क्रियान्वयन से जीएसटी राजस्व बढ़ाने में मदद मिली है।

आईडीबीआई बैंक में कुछ हिस्सेदारी रखना चाहती है एलआईसीः चेयरमैन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- आईडीबीआई बैंक 21 जनवरी 2019 से एलआईसी की अनुषंगी इकाई बना

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कहा है कि वह बैंक इश्योरेंस चैनल का लाभ उठाने के लिए आईडीबीआई बैंक में अपना कुछ हिस्सा बरकरार रखना चाहेगी। एलआईसी के चेयरमैन एमआर कुमार ने कहा कि सरकार के साथ एलआईसी भी आईडीबीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी की बिक्री करेगी, लेकिन वह अपनी समूची हिस्सेदारी को शायद न बेचे। एलआईसी इस समय जोरशोर से रोडशो करने में जुटी हुई है। इसके जरिए वह चार मई को खुलने वाले अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के बारे में निवेशकों के बीच जागरूकता पैदा करने की कोशिश कर रही है।

प्रबंधन नियंत्रण की सीमा से नीचे

पिछले हफ्ते निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव तुहीन कांत पांडेय ने कहा था कि आईडीबीआई बैंक के निजीकरण की प्रक्रिया भी जारी है और रोडशो पूरा होने के बाद हिस्सेदारी बिक्री की मात्रा निर्धारित की जाएगी।

दोनों संस्थाओं के ही लिए फायदे का सौदा

उन्होंने कहा, 'चूंकि एलआईसी भी इस परिदृश्य में मौजूद है लिहाजा हमेशा से मेरी राय रही है कि सरकार के साथ हम भी अपनी हिस्सेदारी की बिक्री करेंगे। लेकिन हो सकता है कि बेचे जाने वाला हिस्सा 49 प्रतिशत न हो। यह इस पर निर्भर करेगा कि समूचा लेनदेन किस तरह होता है और किस तरह के निवेशक दिलचस्पी दिखाते हैं।'

के.आर.मंगलम यूनिवर्सिटी में कोरोना से लड़ने का सीक्रेट प्लान हो चूका है तैयार

अब जल्द होगा कोरोना पर होगा दो तरफ़ा वार इस में कोई दो राय नहीं की कोरोना महामरी इस सदी की अब तक की सब से विकत मानवीय आपदा साबित ही है जिस के समक्ष बड़े से बड़े शक्तिशाली देशो ने भी घुटने टेक खुद को पूरी तरह असहाय पाया है. इस महामारी ने न केवल करोडो लोगो की जान ली, बल्कि कई देशो में पुरे स्वास्थ्य व्यवस्था को ही चरमरा दिया. प्रो अरुण गर्ग (डीन स्कूल ऑफ़ मेडिकल एंड एलाइएड साइंस) ने विशेष संवादता को बताया की यद्यपि पिछले गत दो तीन वर्षो से टीकारण के बाद भी पूरा विश्व ही इस संक्रमण अभूतपूर्व महामारी से उभरने की कोशिश में मगर बार बार इस वायरस में होने वाले संरचनात्मक बदलाव ने वैज्ञानिको के समक्ष एक तरह का अविश्वास ही पैदा किया है की क्या टिका वास्तव में वायरस से बचाव के प्रति सफल साबित हो पायेगा ?

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने प्रायोगिक तौर पर मेथनॉल के मिश्रण वाला पेट्रोल उतारा

तिनसुकिया। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने असम के तिनसुकिया जिले में 15 प्रतिशत मेथनॉल के मिश्रण वाले पेट्रोल 'एम15' को प्रायोगिक (पायलट) तौर पर उतारा है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री रामेश्वर तेली ने नीति आयोग के सदस्य वी के सारस्वत और आईओसी के चेयरमैन एसएम वैद्य की उपस्थिति में शनिवार को 'एम15' पेट्रोल जारी किया।

ऊर्जा संयंत्रों को ईंधन की आपूर्ति करना कोल इंडिया की प्राथमिकता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी कोल इंडिया ने कहा कि ताप ऊर्जा संयंत्रों को पर्याप्त ईंधन की आपूर्ति करना उसकी 'प्राथमिकता' है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों से चालू वित्त वर्ष में 70 करोड़ टन के कोयला उत्पादन और उठाव के लक्ष्य को पार करने के लिए अपने प्रयासों को तेज करने को कहा है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रमोद अग्रवाल ने कर्मचारियों को भेजे पत्र में कहा कि कंपनी की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि बिजली की कमी के बीच बिजली उत्पादन करने वाली इकाइयों के पास घरेलू ईंधन का पर्याप्त भंडार हो।

- देश को उचित दामों पर बिजली मिले

बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले का पर्याप्त भंडारः अग्रवाल ने कर्मचारियों से कहा कि वे इसे 'पावन' लक्ष्य मानें। उन्होंने कहा,'कोल इंडिया की प्राथमिकता है कि देश के बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले का पर्याप्त भंडार हो और देश को उचित दामों पर बिजली मिले। हमारा लक्ष्य ऊर्जा को कम से कम कीमत पर सुनिश्चित करने का होना चाहिए।'उन्होंने कहा, 'बीते वित्त वर्ष के प्रदर्शन से प्रेरणा लें और 70 करोड़ टन उत्पादन तथा उठान के लक्ष्य को पार करें।'

नई टोयोटा जीआर सुप्रा लॉन्च...

नई दिल्ली। टोयोटा ने अपनी नई जीआर सुप्रा कार को पेश करने की घोषणा की है। कार 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ आएगी। नया गियरबॉक्स जीआर सुप्रा जीटी, जीटीएस और ए91-एमटी लिमिटेड-एडिशन मॉडल में उपलब्ध होगा। प्रतिक्रिया के लिए 3.0-लीटर जीआर सुप्रा कार के स्टीयरिंग और सस्पेंशन में भी बदलाव किए हैं। कंपनी के मुताबिक, नई 6-स्पीड मैनुअल यूनिट जीआर सुप्रा 3.0-लीटर, स्ट्रेट-सिक्स इंजन द्वारा संचालित होगी। कार में डायनेमिक राइडिंग के लिए सस्पेंशन और स्टीयरिंग को ट्यून किया जा सकता है। कार को संशोधित किया गया है, नए स्पोक्स और क्रॉस-सेक्शनल और प्रीमियम टाइटेनियम डार्क सिल्वर फिनिश के साथ आ रहा है।

अप्रैल में पेट्रोल, डीजल की बिक्री में वृद्धि नरम रही

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

भारत में अप्रैल 2022 में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में वृद्धि नरम रही, वहीं घरेलू रसोई गैस एलपीजी की खपत घटी है। ईंधन के दाम रिकॉर्ड ऊंचे स्तर पर पहुंचने की वजह से मांग प्रभावित हुई है। उद्योग के आरंभिक आंकड़ों से रविवार को यह जानकारी मिली है। मार्च, 2022 की तुलना में अप्रैल, 2022 में पेट्रोल की बिक्री में वृद्धि 2.1 फीसदी रही जबकि डीजल की मांग लगभग सपाट रही। रसोई गैस एलपीजी जिसकी मांग माहमारी काल में भी बढ़ती रही थी, उसकी खपत में भी मासिक आधार पर अप्रैल में 9.1 फीसदी की गिरावट आई। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतें करीब साढ़े चार महीने तक स्थिर रखने के बाद 22 मार्च को पहली बार बढ़ाई थीं। उसके बाद छह अप्रैल तक 16 दिन में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल 10-10 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई। घरेलू रसोई गैस की कीमत में भी 22 मार्च को 50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी जिसके बाद दिल्ली में सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर का दाम 949.50 रुपये पर पहुंच गया। इस मूल्यवृद्धि के कारण खपत में नरमी आई। पेट्रोलियम उद्योग के आरंभिक आंकड़ों के मुताबिक, सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने अप्रैल में 25.8 लाख टन पेट्रोल बेचा जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले करीब 20.4 फीसदी अधिक और 2019 की समान अवधि की तुलना में 15.5 फीसदी अधिक है। हालांकि, मार्च 2022 के मुकाबले खपत महज 2.1 फीसदी ही अधिक रही।

- मार्च, 2022 की तुलना में अप्रैल, 2022 में पेट्रोल की बिक्री में वृद्धि 2.1 फीसदी रही

राशिफल

मेष — खर्चों पर नियन्त्रण रखें। माता-पिता से धन प्राप्त हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें। सन्तान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

वृष — मन में शान्ति एवं प्रसन्नता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी।

मिथुन — व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। मानसिक तनाव रहेगा। लंबे समय से रुके हुए काम बनेंगे।

कर्क — शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। व्यर्थ की भागदौड़ हो सकती है। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा।

सिंह — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के योग हैं। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। अचानक धन लाभ भी हो सकता है।

कन्या — शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मीठे खानपान में रुचि रहेगी। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

तुला — परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मीठे खानपान में रुचि बढ़ेगी। वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ेंगे। मीठे खानपान में रुचि रहेगी। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — कार्यक्षेत्र में भी वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। आत्मविश्वास में कमी आएगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

धनु — परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर — मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। भौतिक सुखों के विस्तार पर खर्च बढ़ सकते हैं। भावावेश की अधिकता हो सकती है।

कुंभ — परिवार में शान्ति बनाये रखने का प्रयास करें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन — कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार में सुधार होगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से धनार्जन के स्रोत विकसित हो सकते हैं।

हरिभूमि क्लासीफाइड विज्ञापन

ज्योतिष

किसी ने कैसा भी किया कराया हो तुरन्त आराम देखें!
सूफ़ी अनीस जी
9258488330
सभी जटिल से जटिल समस्याओं का गारन्टेड समाधान
जैसे : बेटी, बहन का ससुराल में परेशान रहना सास बहु व पति व पत्नी में झगड़ा रहता हो तलाक, कारोबार में रुकावट आना शादी में रुकावट आना, औलाद का न होना, बच्चे कहना ना मानते हो, घर में बीमारी रहना ऊपरी असर, सौतन व दुशमन से छुटकारा
स्पेशलिस्टः वशीकरण, प्यार में धोखा गृह क्लेश, अगर आपके आस पास कोई परेशान हो तो तुरन्त नम्बर नोट करें।
प्यार में रूठे प्रेमी-प्रेमिकाएँ एक बार फोन अवश्य करें।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

आवश्यकता

☛ वनविभाग द्वारा जिलानुसार भर्ती, पद संख्या -585, पदनाम -वनरक्षक, माली, वनदरोगा, ड्राइवर, फिल्डऑफिसर, उम्र सीमा (18-42) योग्यता (8वीं-ग्रेजुएट) सभी शासकीय सुविधाएं, वेतन (25500- 43500) इच्छुक आवेदक अपना पूरा नामपता शहर पिनकोड सहित केवल SMS करें, -88872-34112.

चिकित्सा

शराब छुड़वायें
व्यक्ति को बिना बताये शराब पीने की इच्छा को खत्म करें
बिना भर्ती किये
स्मैक, गांजा, चरस, गोलियां, भांग ,सिगरेट, गुटखा छुडवायें
9311723901
9311689373

शब्द पहेली - 4783

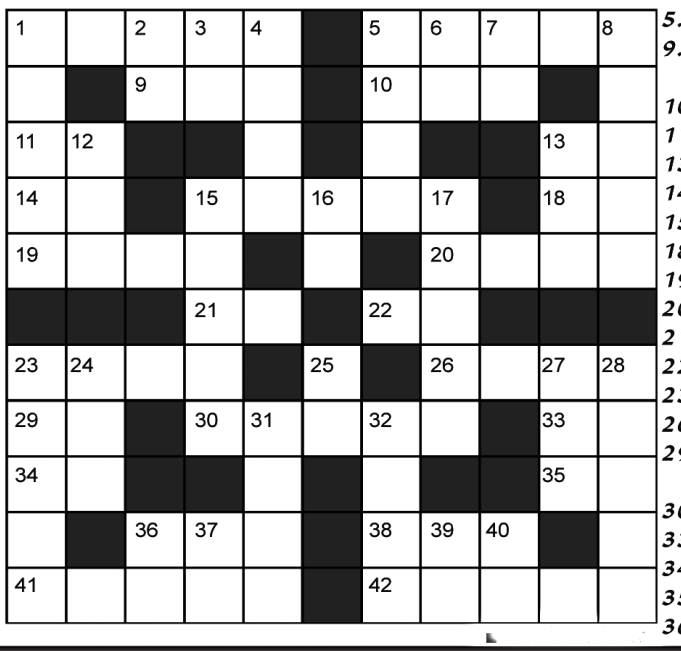

बाएँ से दाएँ
1. मन मोहने वाला-5
5. प्रस्थान करना,रवानगी-5
9. राशिचक्र की दसवीं राशि-3
10. तेल में पकाना-3
11. प्रेम,प्यार-2
13. थोड़ा,जरा-2
14. मैं का बहुवचन-2
15. उम्मीद करना-5
18. धन,संपदा-2
19. पक्षियों की चहचहाट-4
20. अभिप्राय-4
21. सद्,अच्छा-2
22. दम,ताकत-2
23. प्रकाशवान-4
26. उसाठस-4
29. माईल,दूरी नामपे की इकाई-2
30. क्रोधित होना-2,3
33. विदेशी शराब-2
34. झुका हुआ-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. आखेट मंच-3
38. खुजली-3
41. मनमोहकता-5
42. नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आकर्षक.चिताकर्षक-5
2. वैक्स,मधुज-2
3. अधिकार-2
4. फिल्म 'मदर इंडिया' की नायिका-4
5. जागरण-4
6. दीवार (अंग्रेजी-2)
7. मां के पिता-2
8. असफल-5
12. गर्भ,कोख-3
13. करामात-3
15. खातिरदारी -5
16. उद्देश्य-2
17. नामकरण-2,3
23. भूस्वामी-2,3
24. सही का विलोम-3
25. मृत्यु-2
27. इमामदस्ता-3
28. कांतिमान, चमकीला-5
31. उदारता,बड़प्पन-4
32. मालगोदाम-4
36. रत्न,नग-2
37. टी,चहा-2
39. याचिका,वाद (अंग्रजी-2)
40. वहम,संदेह-2

शब्द पहेली -4782 का हल

का	ज		आ	ग		सा	थ		सु	रा
ल		ता	ना		आ	स		ख	ब	र
	ली	ला		सा	या		क	ल	ह	
म	न		रा	त		र	म	ल		वि
स्त्री		फि	जा		अ	ग	ला		सा	दा
	शू	र		की	च	ड़		ता	र	
कु	ल		अ	म	ल		ख	त		मी
ली		ग	ल	त		प	ता		जा	न
	दो	ज	ख		क	ल		ता	ल	
धा	य	ल		दा	म		उ	म		मो
त	म		प	ग		कू	ष्ण		क	र

सूडोकु नवताल - 4787

सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 4786 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6